एआईसीटीई ने इस तरह के कोर्स के प्रस्ताव को मंजूरी दी

दूरस्थ शिक्षा से बीटेक डिग्री कोर्स कर सकेंगे

पहल

नई दिल्ली | मदन जैड़ा

जो लोग नियमित रूप से कॉलेज का खर्च वहन नहीं कर सकते हैं, या डिप्लोमा लेकर नौकरी कर रहे हैं, वे भी भविष्य में दूरशिक्षा के जरिये तकनीकी डिग्री हासिल कर सकेंगे। इंजीनियरिंग की बीटेक, एमटेक समेत सभी तकनीकी डिग्रियों को दूरशिक्षा के जरिये शुरू करने की तैयारी है। इस संबंध में जल्द अधिसूचना जारी की जाएगी।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के चेयरमैन अनिल डी. सहस्त्रबुद्धे के अनुसार इस बाबत प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। एआईसीटीई ने उसे मंजूरी भी दे दी है। अब सिर्फ मानव संसाधन विकास मंत्रालय की मंजूरी की जरूरत है। इसके बाद इसे अधिसूचित कर दिया जाएगा। संभावना है कि अगले सत्र से एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त कॉलेज दूरशिक्षा के जरिये बीटेक या अन्य तकनीकी डिग्री कोर्स शुरू कर सकेंगे। सहस्त्रबुद्धे ने कहा कि अभी तक ऐसे किसी पाठ्यक्रम को मान्यता नहीं है। कुछ विश्वविद्यालयों ने ऐसे कोर्स शुरू किए हैं। लेकिन उन्हें मान्यता नहीं है, इसलिए छात्र सावधान रहें।

मौजूदा स्थिति क्या

16 लाख सीटें हैं देश में 3500 के करीब इंजीनियरिंग संस्थानों में

06 लाख तक सीटें छात्र न मिलने की वजह से खाली रह जाती हैं

मकसद क्या

- सेवारत कर्मी डिग्री लेकर रोजगार के स्तर में इजाफा कर सकेंगे
- इंजीनियरिंग की मंहगी फीस देने में अक्षम लोगों के लिए भी नई राह

सहस्त्रबुद्धे के अनुसार एआईसीटीई ने 'ब्लैंडेड लर्निंग' नाम से यह कार्यक्रम शुरू करने का फैसला किया है। जिसमें तकनीकी शिक्षा थ्योरी की पढ़ाई छात्र दूर शिक्षा के जरिये कर सकेंगे। लेकिन प्रैक्टिकल की पढ़ाई के लिए उन्हें कक्षाओं में शामिल होना पड़ेगा। मोटे तौर पर डिग्री कोर्स का 60 फीसदी हिस्सा दूरशिक्षा के जरिये और 40 फीसदी कक्षाओं के जरिये होगा। इस किस्म के पाठ्यक्रम के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश अधिसूचना जारी होने के बाद जारी किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि यह पाठ्यक्रम उनके लिए लाभकारी होगा, जो पहले से नौकरी कर रहे हैं या कॉलेज का खर्च वहन नहीं कर सकते। बहुत सारे लोग सर्टिफिकेट या डिप्लोमा कोर्स करके नौकरी करते हैं। ऐसे में उनके लिए दूरस्था शिक्षा से डिग्री हासिल करना संभव होगा।